शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर

धरमपुरा–2, जगदलपुर, जिला–बस्तर, छत्तीसगढ़, भारत पिनकोड 494001

Shaheed Mahendra Karma Vishwavidyalaya, Bastar

Dharampura-2, Jagdalpur, Dist.-Bastar, Chhattisgarh, India, Pin code 494001

Telephone 07782-229037, Fax 07782-229037 Website: www.bvvjdp.ac.in

क्रमांक / 890 / अका. / पाठ्यक्रम / 2023 जगदलपुर, दिनांक ...../ 10 / 2023

//अधिसूचना//

13 OCT 2023

अपर संचालक, उच्च शिक्षा संचालनालय, अटल नगर,रायपुर के पत्र क्रमांक–4175 / 237 / आउशि / समन्वय / 2023 अटल नगर रायपुर, दिनांक 22.08.2023 के अनुसार केन्द्रीय अध्ययन मंडल द्वारा तैयार किये गये नवीन पाठ्यक्रम बी.ए. भाग एक हिन्दी साहित्य द्वितीय प्रश्न (हिन्दी कथा साहित्य) में कहानी क्रमांक 08 नकली हीरे लेखक मन्नू भंडारी है। जिसमें टंकण त्रुटिवश लेखक का नाम उषा प्रियवंदा अंकित हो गया है। **उक्त टंकण त्रुटि को सुधार कर उषा प्रियवंदा के स्थान पर मन्नू भंडारी पढ़ा जाये।**

कुलसचिव
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
जगदलपुर, जिला–बस्तर (छ.ग.)

पृ. क्रमांक / 891 / अका. / पाठ्यक्रम / 20223 जगदलपुर, दिनांक ...../ 10 / 2023

13 OCT 2023

प्रतिलिपिः–

1. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति के सचिव, राजभवन, रायपुर
2. सचिव छ.ग. शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर
3. आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला–रायपुर
4. माननीय कुलपति महोदय, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर
5. क्षेत्रीय अपर संचालक, उच्च शिक्षा, शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर
6. समस्त प्राचार्य, संबद्ध समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालय, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर, जगदलपुर
7. समस्त विभाग प्रमुख / विभागाध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर
8. सहायक कुलसचिव, परीक्षा / गोपनीय विभाग, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर
9. समन्वयक IQAC Cell, शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर जगदलपुर

– की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

सहायक कुलसचिव (अकादमिक)
शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर
जगदलपुर, जिला–बस्तर (छ.ग.)

एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
(सत्र–2022–23)

बी.ए. भाग–1
(हिंदी साहित्य) प्रथम प्रश्नपत्र
प्राचीन हिंदी काव्य

पूर्णांक: 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

उद्देश्य एवं प्रस्तावना : प्राचीन से यहां तात्पर्य है– आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिंदी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुक्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है। मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहां लोक जागरण को स्वर देने वाला है वहीं रीति काल अपने लौकिक, श्रृंगारिक, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यत्व, काव्यरूपता, लौकिकता–पारलौकिता आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय : प्राचीन हिन्दी काव्य की पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ

1. कबीरदास : (कबीर–कांतिकुमार जैन–प्रारंभिक 50 साखियॉ।)
2. जायसी : (संक्षिप्त पद्मावत– श्यामसुंदर दास, नागमती वियोग वर्णन)
3. सूरदास : (भ्रमरगीत सार–संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल– प्रारंभिक 25 पद)
4. तुलसीदास : "श्रीरामचरितमानस" के सुंदरकांड से प्रारंभिक 30 दोहे, चौपाई, छंद सहित।
5. घनानन्द : (घनानन्द– संपादक, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– प्रारंभिक 25 छंद)

द्रुतपाठ : इसके अंतर्गत 1. विद्यापति 2.रहीम 3.रसखान 4.गोपाल मिश्र का अध्ययन किया जाएगा, जिनमें से किन्दी दो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन

3 व्याख्याएं	अंक–21
2 आलोचनात्मक प्रश्न	अंक–24
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	अंक–15
15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंक–15

कुल–75 अंक

23.2.2023
23/2/23
23/2/2023

बी.ए. भाग–1
(हिंदी साहित्य) द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी कथा साहित्य

पूर्णांकः 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

उद्देश्य एवं प्रस्तावना : गद्य की प्रमुख विधाओं का द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियां, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

पाठ्य विषय : व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक–एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है।

उपन्यासः 1. गबन –मुंशी प्रेमचंद

कहानी
1. पूस की रात – मुंशी प्रेमचंद
2. आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
3. परदा – यशपाल
4. लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु
5. मलबे का मालिक – मोहन राकेश
6. चीफ की दावत – भीष्म साहनी
7. जली हुई रस्सी – गुलशेर खां शानी
8. नकली हीरे – उषा प्रियंवदा

द्रुतपाठ के लिए निम्नांकित चार कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्ही दो पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

1.उपेन्द्रनाथ अश्क 2.बालशौरि रेड्डी 3.शिवानी 4.पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

अंक विभाजन

3 व्याख्याएं	अंक–21
2 आलोचनात्मक प्रश्न	अंक–24
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	अंक–15
15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंक–15
कुल–75 अंक	

23.2.2023
23/02/23

दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम
(सत्र–2022–23)

बी.ए. भाग–2
(हिंदी साहित्य) प्रथम प्रश्नपत्र
अर्वाचीन हिंदी काव्य

पूर्णांक: 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य : आधुनिक काव्य आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की भाव–भाषा, शिल्प, अंतर्वस्तु संबंधी समस्त विकास धारा यहां सजीव रूप में देखी जा सकती हैं। इसे अनदेखा करना मनुष्य की विकास यात्रा को नजर अंदाज करना है। इस यात्रा के साक्षात्कार के लिए आधुनिक काव्य का अध्ययन अपेक्षित ही नहीं अपितु अनिवार्य है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य – हिन्दी की आधुनिक कविता की स्वरूप तथा उसकी मूल संवेदना के विषय में जानकारी प्रदान करना साथ ही छायावाद के काव्यात्मक सौंदर्य को समझने की दिशा में प्रेरित करना। छायावादोत्तर काव्य और प्रयोगवादी कविता को समझने की दृष्टि विकसित करना ।

पाठ्य विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग) तीन पद – 1 मुझे फूल मत मारो... 2 आई हूं सशोक मैं अशोक...3 दोनो ओर प्रेम पलता है ।
2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला –1.सखि बसंत आया
   2.वर दे, वीणा वादिनी
   3.हिंदी के सुमनों के प्रति पत्र
   4.तोड़ती पत्थर
   5.कुकुरमुत्ता (अबे सुनबे गुलाब....एक की दी तीन मैंने गुन सुनाकर)
3. सुमित्रानन्दन पंत –1.सुख–दुख
   2.परिवर्तन–2 पद–(1.खोलता इधर जन्मलोचन
   2.आज का दुख कल का आल्हाद)
   3.ताज।
   4.झंझा में नीम
4. माखन लाल चतुर्वेदी –1.बलि पंथी से
   2.सांझ और ढोलक की थापें
   3.मैं बेच रही हूं दही
   4.उलाहना
   5.नि:शस्त्र सेनानी
5. स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय –1.सबेरे उठा तो धूप खिली थी
   2.साम्राज्ञी का नैवेद्य दान
   3.घर
   4.चांदनी जी लो
   5.दूर्वांचल

द्रुतपाठ हेतु निम्न कवियों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे
1.अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2.सुभद्रा कुमारी चौहान 3.श्रीकांत वर्मा 4.मुकुटधर पाण्डेय

23/02/23

बी.ए. भाग–2
(हिंदी साहित्य) द्वितीय प्रश्नपत्र
हिंदी नाटक, निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

पूर्णांक : 75
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य – हिन्दी गद्य के विकास ने हिन्दी साहित्येतिहास में वैचारिकता और आधुनिकता का मार्ग प्रशस्त किया । नवजागरण की रश्मि और स्वाधीनता की चेतना नाटकों निबंधों एवं अन्य गद्य विधाओं से ही प्रस्फुटित हुई । विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी गद्य के वैचारिक और सौंदर्यात्मक पक्ष से परिचित हो सकेंगे । हिन्दी नाटक के आरंभिक दौर में उसके स्वरूप संवेदनात्मक बुनावट तथा प्रगतिवादी स्वभाव से अवगत कराना तथा हिन्दी एकांकी के विषय में आरंभिक ज्ञान प्रदान करना । हिन्दी निबंध के स्वरूप से भी विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।

पाठ्य विषय– व्याख्या और आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए दो नाटक, पांच प्रतिनिधि निबंध और चार एकांकी का निर्धारण किया गया है।

नाटक– 1. अंधेर नगरी –भारतेन्दु हरिश्चंद्र
2. ध्रुवस्वामिनी –जयशंकर प्रसाद

निबंध–

1. क्रोध –आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. बसंत आ गया है। –डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. मजदूरी और प्रेम – सरदार पूर्ण सिंह
4. काव्येषु नाटकम रम्यम् –बाबू गुलाब राय
5. बेईमानी की परत –हरिशंकर परसाई

एकांकी–

1. दीपदान –रामकुमार वर्मा
2. तांबे के कीड़े –भुवनेश्वर
3. एक दिन –लक्ष्मीनारायण मिश्र
4. दस हजार –उदयशंकर भट्ट

द्रुतपाठ के लिए निम्नलिखित तीन गद्यकारों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे :

1.राहुल सांकृत्यायन 2. महादेवी वर्मा
3.हबीब तनवीर 4. शंकर शेष

अंक विभाजन–

3 व्याख्याएं	21 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	24 अंक
3 लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक
15 अति लघु उत्तरीय प्रश्न	15 अंक

कुल – 75 अंक

23/07/23

28.2.2023

त्रिवर्षीय उपाधि पाठ्यक्रम
(सत्र–2022–23)

बी.ए. भाग – तीन
हिन्दी साहित्य
प्रथम – प्रश्नपत्र
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य

पूर्णांक : 75.
क्रेडिट – 5, 90 कालखण्ड

प्रस्तावना एवं उद्देश्य –

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति के प्रति रूचि और सजगता का विकास।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप से परिचय।
3. लोक– साहित्य तथा उसकी विभिन्न विधाओं से परिचय तथा छत्तीसढ़ी लोक–संस्कृति के प्रति जागरूकता का विकास।
4. समकालीन छत्तीसगढ़ी साहित्य से परिचय।
5. छत्तीसगढ़ी भाषा के संरचनात्मक एवं प्रयोजनात्मक पक्ष से परिचय।
6. छत्तीसगढ़ी के सामाजिक जीवन एवं संस्कृति तथा व्यवहार से सामान्य परिचय।

पाठ्य विषय :

इकाई – 01 छत्तीसगढ़ी भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ एवं प्रयोजनीयता — 18 कालखण्ड

क. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियाँ

संज्ञा, सर्वनाम, विषेषण, क्रिया विशेषण, लिंग, वचन और कारक

ख. 1. कार्यालयीन पत्र व्यवहार

2. रेडिया पत्रकारिता : उद्घोषणा, रेलवे, आकाशवाणी एवं अन्य

इकाई – 02 क. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य – 1 : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व — 18 कालखण्ड

ख. छत्तीसगढ़ी लोक काव्य :

करमा – 1 चोला रोवत हे राम बिन देखे परान

2. करिया सियाही कागद लिख ना गा

सुवा गीत : – 1. पहिली गबन के मोला डेहरी बैठाये

2. तरी नरी न न ना तरी नरी ना ना

ददरिया :– 1. कया के पेड मा, हड़िया के मारे, तवा के रोटी, पीपर के पाता, तोर मन चलती, फूटहा रे मंदिर मोर जरत करेजा, गोरी के अचरा, नवा घर मा, चंदा तो दाई

23/02/23

संदर्भ ग्रंथ–

1.छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य, संपादक – डॉ.सत्यभामा आड़िल (प्रकाशक–विकल्प प्रकाशन, रायपुर, छ.ग.)
2.जनपदीय भाषा–साहित्य छत्तीसगढ़ी, संपादक– डॉ.सत्यभामा आड़िल (प्रकाशक–छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रन्थ अकादमी वि.वि. परिसर, रायपुर, छ.ग.)
3. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण – चंद्रकुमार चंद्रकार
4. छत्तीसगढ़ी की व्याकरणिक कोटियां – डॉ. चितरंजन कर
5 छत्तीसगढ़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास में डॉ. विनय पाठक का योगदान–डॉ. मनीष कुमार दीवान, छत्तीसगढ़ टुडे पब्लिकेशन, रायपुर

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉं (CLO) :

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने क पश्चात् विद्यार्थी –

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति के प्रति अभिमुख होगे।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
3. लोक साहित्य एवं उसकी विभिन्न विधाओं से परिचय होगा।
4. छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के प्रति जागरूकता का विकास होगा।
5. छत्तीसगढ़ी समकालीन साहित्य से परिचय होगा।
6. छत्तीसगढ़ी भाषा के संरचनात्मक एवं प्रयोजनात्मक पक्ष से परिचत होगें
7. छत्तीसगढ़ी के सामाजिक जीवन एवं संस्कृति तथा भाषा व्यवहार से परिचय होगा।
8. छत्तीसगढ़ी भाषा के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों को तैयार करना।
9. राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना

23/02/23

इकाई विभाजन :

इकाई एक	– हिंदी भाषा का स्वरूप– विकास (खण्ड–क)	18 कालखण्ड
इकाई दो	–हिंदी का शब्द भंडार (खण्ड–क, का अंतिम भाग)	18 कालखण्ड
इकाई तीन	–हिंदी साहित्य का इतिहास (खण्ड–ख एवं ग)	18 कालखण्ड
इकाई चार	–काव्यांग– रस, छंद, अंलकार (खण्ड–घ)	18 कालखण्ड
इकाई पाँच	–लघुत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यकम से)	18 कालखण्ड

संदर्भ ग्रंथ :

1.हिंदी साहित्य का इतिहास – सं. डॉ. सुनील त्रिवेदी एवं बाबूलाल शुक्ल, (प्रकाशक– म.प्र. उच्च शिक्षा अनुदान आयोग)
2.राजभाषा हिंदी –मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)
3.हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
4.हिंदी भाषा साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन – डॉ. प्रतिभा चतुर्वेदी, डॉ. हरिमोहन बुधौलिया (प्रकाशक–मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी)

पाठ्यकम अध्ययन की परिलब्धियॉं (CLO)

1. हिंदी भाषा के आधारभूत ज्ञान प्राप्ति के साथ, हिंदी के विविध रूपों से अवगत कराना।
2. हिंदी के शब्द भंडार से परिचित कराना जिससे विद्यार्थियों की भाषा समृद्ध और परिमार्जित हो सके।
3. भाषा साहित्य तथा संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों की समझ और विवेक को विकसित करना।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को साहित्य की प्रमुख युगीन प्रवृत्तियों के साथ विकास क्रम से अवगत कराना तथा उस काल की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भी परिचित कराना।
5. काव्यांग विवेचन में अलंकारों और छंदों का अध्ययन कर भाषा के सौंदर्य के साथ–साथ, काव्य– परंपरा को भी समृद्ध करना।

23.2.2023

23/02/23